आज का पुरुषार्थ 11 August 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *"आइये आज रक्षाबंधन के इस पर्व में हम प्रतिज्ञा करे कि .. हम अपने पवित्र वायब्रेशन्स से इस संसार के सभी निगेटिविटी अवश्य समाप्त करेंगे "*

राखी के पावन पर्व की सभी पवित्र आत्माओं को बहुत बहुत मुबारक हो .

हम सवकि पवित्रता भारत देश को **विश्व गुरु** की उपाधि दिलायेगी। हम सभी की पवित्रता इस प्रकृति को फिरसे भरपुर करेगी, सतोप्रधान बनायेगी।

भाग्यबान हैं वो आत्माये जिन्हे स्वयं पवित्रता के सागर ने राखी बंध कर पवित्रता का वरदान दिया। मस्तक पर तिलक लगा दिया और पवित्र भब ना केवल **वरदान** दिया बल्की पवित्र बनने की शक्ति भी दे दी।

तो आज पुनः राखी का ये **श्रेष्ठ पर्व** हमारे सम्मुख हैं। हम अपनी प्रतिज्ञा को रिवाईज करेंगे और संकल्प करेंगे ये हमारी मुल नेचर हैं।

संसार में सबसे बरा चमत्कार हैं ना **गृहस्थ में रहते** हुयें अनेक कुमार कुमारीयों ने इस महान व्रत को भगवान की आज्ञा पर धारण कर लिया हैं।

संसार के पड़े-लिखे लोग साइकोलोजिस्ट बुद्धिमान तो सोचते हैं पवित्र बनना औफ अगेंस्ट नेचर। कितनी धूर्तता हैं। कितना अल्पज्ञता है, कितनी निगेटिविटी है।

उन्हें पता ही नहीं की अपवित्रता के कारण इन विकारों के कारण ही संसार के दुर्गति हुई है और हो रही है। इन्हीं ने घर घर में कलह क्लेश मचा रखा है।

अब बाबा ने पवित्रता का वरदान देकर कह दिया है ...

" बच्चे, यह पवित्रता सुख शान्ति की जननी है .. और जहाँ माँ है वहाँ बच्चे खींचे चले आते हैं "

पवित्रता की शक्ति से हम अपने जीवन निर्विघ्न बना लेते है। इसी शक्ति से नीरोग रहने की, स्वस्थ रहने की ताकत भी प्राप्त हो जाती है।

सच यही है कि संसार में दो ही बड़ी शक्तियाँ है, **योग की शक्ति और पवित्रता की शक्ति।** ... तो इस शक्ति को दिनों दिन बढ़ाते चलेंगे।

और आज तो विशेष रूप से अपना हाथ बाबा के सामने पुनः बढ़ायेंगे। और बाबा को कहेंगे पुनः पवित्रता की ...

" सम्पूर्ण पवित्रता की राखी हमें बांध दो "

बाबा हमें यह राखी बधेंगे और फिर हम बाबा को राखी बधेंगे खुदा दोस्त के रुप में। दोनो ही परम पवित्र। **वह पवित्रता का सागर, हम पवित्र आत्मायें**

हाथ मिलायेंगे बाबा से, **दृष्टि लेंगे और संकल्प करेंगे**, बाबा की दृष्टि से, मस्तक से पवित्र वायब्रेशन्स मुझें प्राप्त हो रहे है। बाबा ने अपना वरदानी हाथ मेरे सिर पर रख दिया है।

और .. उनके हाथ से **पवित्रता की किरणें मुझ में समाती जा रही है।**

बस अपने से बातें करेंगे, कितना सुन्दर जीवन दिया है बाबा ने हमें, स्वयं उन्होंने हमें वरदान देकर हमें वरदानी बना दिया है। हमें **महान** बना दिया है, **पुज्य** बना दिया है। **विश्वकल्याणकारी** बना दिया है।

हम इस पवित्रता की डिग्री को दिनों दिन बढ़ाते चले। **आत्मिक दृष्टि बनाये।** तो देह का आकर्षण धीरे-धीरे स्वतः ही समाप्त होता जायेगा।

अशरीरीपन का अभ्यास करते रहे चलते फिरते, तो कर्मेन्द्रियाँ शीतल होती जायेगी।

स्वमान का अभ्यास करे ...

" मैं पवित्रता का फ़रिश्ता हूँ .. पवित्रता की देवी हूँ "

तो पवित्रता हमारी ताकत बनती जायेगी। हमारे vibrations चारों ओर फैलते जायेंगे। हम भी powerful बनेंगे और चारों ओर का **वातावरण भी पवित्र तरंगों से भरपूर हो जायेगा।**

तो आज का दिन हम बाबा से बातें करते हुए उनसे **राखी** बंधवाते हुए उनसे **रूहरिहान** करते हुए अपने में शक्ति भरते हुए व्यतीत करेंगे।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org